वर्चुअल ट्रेड फेयर से जुड़े देश-विदेश के 300 खरीदार

वैश्विक बाजार

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

राज्य के उत्पादकों तथा निर्यातकों को वैश्विक बाजार मुहैया कराने के लिए वर्चुअल ट्रेड फेयर शुरू हो गया है। एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन मंत्री डा. सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि इस फेयर से निर्यातकों तथा उत्पादकों को समूचे विश्व में अपने उत्पादों को बेचने का मौका मिलेगा। सरकार की बेहतर नीतियों से कोविड के दौरान भी प्रदेश से निर्यात नहीं रुका। तीन सौल में राज्य से निर्यात तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

लखनऊ में मंगलवार को एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने 15 दिवसीय वर्चुअल ट्रेड फेयर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव डा. नवनीत सहगल भी मौजूद थे।

खेलकूद, रक्षा और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात को प्राथमिकता: मंत्री ने कहा कि देश के कुल निर्यात में उत्तर प्रदेश की सहभागिता 4.55 प्रतिशत है। प्रदेश से 45 प्रतिशत हस्तशिल्प, 39 प्रतिशत कालीन तथा 26 प्रतिशत चर्म उत्पादों का निर्यात किया जाता रहा है। बीते तीन वर्षों में राज्य से निर्यात 38 फीसदी बढ़ा है। राज्य से अब सालाना निर्यात 1.20 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। अपर मुख्य सचिव डा. नवनीत सहगल ने ट्रेड फेयर में शामिल प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ट्रेड फेयर मुख्य रूप से तीन श्रेणियों के उत्पादों के लिए आयोजित किया गया है। 8 से 12 मार्च तक आयोजित पहले ट्रेड फेयर में टेक्सटाइल तथा रेडिमेड कपड़े, 15 से 19 मार्च तक दूसरे ग्लोबल आनलाइन ट्रेड फेयर में कालीन, दरी, चर्म उत्पाद व जूते-चप्पल तथा 22 से 26 मार्च तक तीसरे ट्रेड फेयर में घरेलू वस्तुएं व सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े उत्पादों को रखा गया है। देश-विदेश के 300 से अधिक खरीददारों को ऑन बोर्ड किया गया है। क्रेता और विक्रेता के बीच ऑनलाइन संवाद की व्यवस्था भी की गई है।

75 जिलों के 75 वंडर उत्पादों को प्रोत्साहन

मंगलवार को खादी भवन से ट्रेड फेयर का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने राज्य के विभिन्न शहरों के निर्यातकों से बातचीत की। राज्य से निर्यात के लिए 75 जिलों से 75 वंडर उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं।